एक अनोखी प्रेमकथा

दोस्तो आज मैं आप लोगों को एक सच्ची कहानी बता रहा हूँ। यह घटना उस वक्त की है, जब मैं कॉलेज में पढ़ रहा था और एक कालोनी में रूम लेकर रहता था और मेरे रूम के सामने एक बंगाली परिवार रहता था, जिसमें पति-पत्नी के अलावा एक खूबसूरत लड़की पियू रहती थी, वह बी.एस.सी. फर्स्ट ईयर की सांईस की स्टूडेन्ट थी। वो अकसर मुझसे कु छ पूछने आ जाती थी, उसके माता पिता भी कोई आब्जेक्शन नहीं करते थे। एक बार की बात है वो रात में हमेशा की तरह मेरे पास आ गई और अपनी समस्या मुझे बताने लगी। उस वो गजब की सुंदर लग रही थी। मैं उसको देखता रह गया, उसके खूबसूरत होंठ, झूलती हुई लटें उसे गजब की सुंदर बना रही थी। वो मुझे एकटक देखने के कारण हँसते हुये मुझसे पूछी क्या देख रहे हो, मेरी जुबान उस समय सूख चुकी थी और मैं अपने सूखे होंठों पर जुबान फेरता हुआ बोला की पियू आज तुम स्वर्ग से उतरी हुई अप्सरा लग रही हो। तब वो इठलाती हुई बोली-बात बनाना तो तुमसे कोई सीखे। तब मैंने कहा नहीं पियू आज तुम को देखकर मन बहुत बैचेन हो गया है। अपने पर काबू नहीं रहा। पता नहीं क्या कर बैठू। पियू- तो लल्लू की तरह क्या देख रहे हो पास तो आओ ना। उसकी सहमति पाकर मैंने धीरे से उसका नाजुक हाथ पकड़ा तो वह खिलखिलाकर हँस पड़ी और बोली तुम तो सचमुच में बड़े डरपोक हो। मैंने धीरे से उसको अपने पास खींचा और उसे अपनी बाँहो में समेट लिया, वो भी मेरी बाँहो में समा गई, मैंने उसे अपने पास खींचते हुये उसके होंठो पर अपने होंठो को रख दिया वो शर्माती हुई मेरे होंठो को चूसने लगी, मैंने धीरे धीरे उसे चूमते हुये अपने बैड पर लिटा दिया और उसकी सलवार कमीज को उतारने लगा तो वो बोली क्या ये सब ठीक है? मैंने कहा जंग और प्यार में सब जायज है, उसका संगमरमरी बदन और छोटे छोटे उभार देखते बनते थे, मैंने उसके दोनों दूधों को अपने मुँह में लेकर चूसना चालू किया तो वो भी गरम होकर मेरा साथ देने लगी और मेरे पायजामें के नाड़े को खींच कर खोल दिया और मेरे लंड को जो कि अब तन कर तकरीबन सात इंच का हो चुका था, अपने हाथ में लेकर उसे मसलने लगी, मैंने ६९ पोजीशन बनाते हुये उसकी संगमरमरी टांगो को फैलाते हुये उसकी बालरहित पूदी को आहिस्ता से जीभ से चाटना चालू किया तो वह धीरे धीरे चिल्लाने लगी - अहा, आआआ ओ माई गॉड, और उसकी कमर भी हिलने लगी और वो चिल्लाने लगी और उसने मेरे लंड को अपने मुँह में लेकर उसको चूसने लगी। अब हम दोनों उस दुनिया में पहुँच चुके थे जहाँ की हमनें कल्पना भी नहीं की थी। अब मैंने ज्यादा देर करना ठीक नहीं समझा और अपने लंड को उसकी कोरी चूद में आहिस्ते से रख कर एक जोर दार धक्का दिया तो आधा लंड उसकी चूद में समा गया और वो जोर से चिल्लाई और मैंने एक और जोरदा धक्का दिया तो पूरा का पूरा लंड उसकी नाजूक चूद में समा गया। अब मैंने जोर जोर से अपनी कमर हिलाना चालू किया और मेरा लंड उसकी कुंवारी चूद को फाड़ते हुये अपना काम बखूबी से कर रहा था, उसको अब मजा आने लगा था और वो भी अब अपनी कमर हिलाने लगी लगी थी, अब मैंने उसे जोर जोर से चोदना चालू किया ऐसा करीबन १५ मिनट चला और अचानक वो जोर से चिल्लाई और वो झड़ गई और उसके झड़ने के करीब ५ मिनट बाद मैं भी झड़ गया और अपने अंदर का पूरा गरम लावा उसकी चूद में भर दिया। मैं झड़ कर उसके उपर ही लेटा रहा, वो बड़े ही प्यार से मुझे निहारने लगी। हम लोग करीबन २० मिनट ऐसे ही रहे। तब तक मेरा लंड पुन: तैयार हो गया और अब की बार मैंने फिर २५ मिनट फिर से उसकी भरपूर चुदाई की। फिर दोस्तों मेरी और उसकी लाईफ में एक भयानक ट्रजडी हो गई और हम दोनों जिंदगी भर ऐसे ही मजा लेने के लिए हमेशा हमेशा के लिए एक दूसरे का साथ निभाने की कसमें खाते हुये हमेशा हमेशा के लिए एक होगये और आज एक खुशहाल जिंदगी गुजार रहे है। आपको ये कहानी कै सी लगी जरूर लिखियेगा, मेरा ई-मेल आई.डी. है : xman02524@yahoo.co.in